



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, वीरवार, 10 मई, 2007/20 वैशाख, 1929

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 10 मई, 2007

संख्या एल० एल० आर०-डी०(६)७/२००७-लेज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद २०० के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक ८-५-२००७ को अनुमोदित हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेन्शन) संशोधन

विधेयक, 2007 (2007 का विधेयक संख्यांक 7) को वर्ष 2007 के अधिनियम संख्यांक 11 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करते हैं ।

आदेश द्वारा,

जे० एन० बारोवालिया,  
प्रधान सचिव (विधि)।

# हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेन्शन) संशोधन अधिनियम, 2007

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 8 मई, 2007 को यथाअनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेन्शन) अधिनियम, 1971  
(1971 का 8) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के अठावनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा  
निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों संक्षिप्त नाम  
के भत्ते और पेन्शन) संशोधन अधिनियम, 2007 है ।

2. हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेन्शन) अधिनियम, धारा 4-ख  
1971 का 8 1971 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “मूल अधिनियम” निर्दिष्ट किया गया है) की का संशोधन ।  
धारा 4-ख में “आठ हजार” शब्दों के स्थान पर “दस हजार” शब्द रखे  
जाएंगे और इसके परन्तुक का स्पष्टीकरण सहित लोप किया जाएगा ।

3. मूल अधिनियम की धारा 4-खख के स्थापन पर निम्नलिखित रखा धारा 4-खख  
जाएगा, अर्थात् :— का प्रति-  
स्थापन ।

4-खख. कार्यालय भत्ता और चालक भत्ता.—प्रत्येक सदस्य  
को पांच हजार रुपये प्रतिमास की दर से कार्यालय भत्ता और चार  
हजार रुपये प्रतिमास की दर से चालक भत्ता दिया जाएगा ।”।

4. मूल अधिनियम की धारा 4-ड के विद्यमान उपबन्धों को उप-धारा धारा 4-ड  
(1) के रूप में संख्याकित किया जाएगा और तत्पश्चात् निम्नलिखित उप-धारा का संशोधन ।  
अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक सदस्य, जिसने उप-धारा (1) के अधीन गृह निर्माण  
अग्रिम की सुविधा प्राप्त की है और ऐसे अग्रिम की सम्पूर्ण राशि  
का, उस पर ब्याज सहित, प्रतिसंदाय कर दिया है, द्वितीय गृह  
निर्माण अग्रिम की सुविधा प्राप्त करने के लिए, प्रतिसंदाय

अग्रिमस्वरूप ऐसी धनराशि, ऐसी शर्तों के अध्यक्षीन, जैसी इस निमित्त गृह निर्माण या बने बनाए गृह का क्रय करने के लिए बनाए गए नियमों द्वारा अवधारित की जाए, प्राप्त करने का हकदार होगा ।”।

धारा 4-च  
का संशोधन ।

5. मूल अधिनियम की धारा 4-च के विद्यमान उपबन्धों को उप-धारा (1) के रूप में संख्याकित किया जाएगा और तत्पश्चात् निम्नलिखित उप-धारा अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

- (2) प्रत्येक सदस्य, जिसने उप-धारा (1) के अधीन मोटर कार अग्रिम की सुविधा प्राप्त की है और ऐसे अग्रिम की सम्पूर्ण राशि का, उस पर ब्याज सहित, प्रतिसंदाय कर दिया है, द्वितीय मोटर कार अग्रिम की सुविधा प्राप्त करने के लिए प्रतिसदेय अग्रिमस्वरूप, ऐसी धनराशि, ऐसी शर्तों के अध्यक्षीन, जैसी इस निमित्त मोटर कार के क्रय के लिए बनाए गए नियमों द्वारा अवधारित की जाए प्राप्त करने का हकदार होगा ।”।

धारा 5-क  
का संशोधन ।

6. मूल अधिनियम की धारा 5-क में “एक हजार” शब्दों के स्थान पर “एक हजार पांच सौ” शब्द रखे जाएंगे ।

**AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT**

**Act No. 11 of 2007**

**THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY (ALLOWANCES AND PENSION OF MEMBERS) AMENDMENT ACT, 2007**

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 8TH MAY, 2007)

AN

ACT

*further to amend the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act 1971 (Act No. 8 of 1971).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty eighth Year of the Republic of India, as follow:—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Act, 2007. Short title.

2. In section 4-B of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1971 (hereinafter referred to as "principal Act"), for the words "**eight thousand**", the words "**ten thousand**" shall be substituted and proviso alongwith Explanation shall be omitted. Amendment of section 4-B.

3. For section 4-BB of the principal Act, the following shall be substituted, namely :— Amendment of section 4-BB.

**"4-BB. Office Allowance and Driver Allowance.**—There shall be paid to each member an Office Allowance at the rate of "**five thousand rupees** per mensem and Driver Allowance at the rate of **four thousand rupees** per mensem."

Amendment  
of section  
4-E.

4. Existing provisions of section 4-E of the principal Act, shall be numbered as sub-section (1) and thereafter the following sub-section shall be inserted, namely:—

"(2) Each ex-member, who has availed the facility of house building advance under sub-section (1) and has repaid whole amount of such advance with interest thereon, shall be entitled to avail facility of second house building advance, by way of repayable advance, such sum of money, subject to such conditions, as may be determined by rules made in this behalf, for the construction of house or for the purchase of built up house."

Amendment  
of section  
4-F.

5. Existing provisions of section 4-F of the principal Act, shall be numbered as sub-section (1) and thereafter the following sub-section shall be inserted, namely:—

"(2) Each ex-member, who has availed the facility of motor car advance under sub-section (1) and has repaid whole amount of such advance with interest thereon, shall be entitled to avail facility of second motor car advance, by way of repayable advance, such sum of money, subject to such conditions, as may be determined by rules made in this behalf, for the purchase of motor car."

Amendment  
of section  
5-A.

6. In section 5-A of the principal Act, for the words "**one thousand**", the words "**one thousand five hundred**" shall be substituted.